भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 25–09–2020

'ग्रामीण कृषि मौसम सेवा प्रोजेक्ट' अन्तर्गत विषय–वस्तु विशेषज्ञ (एग्रोमेट) हेतु अन्तर्गत कृषि मौसम सलाह हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ

दिनांक 24–09–2020 को भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार द्वारा 'ग्रामीण कृषि मौसम सेवा प्रोजेक्ट' के अन्तर्गत कार्यरत विषयवस्तु विशेषज्ञों के लिये ब्लॉक लेवल पर कृषि मौसम सम्बन्धित सलाह तैयार करने व प्रसार करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी डा. अतर सिंह, निदेशक अटारी कानपुर ने दी।

मुख्य अतिथि डा. एम. महापात्रा, महानिदेशक, आई.एम.डी., नई दिल्ली ने अच्छे प्रदर्शन हेतु बधाई दी। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की प्रशंसा करते हुए हुए कहा कि उसके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। हमारा फोकस जल संरक्षण पर काफी है। केवीके के माध्यम से ब्लाक लेवल पर दी जा रही एडवजरी में गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। एडवाइजरी को किसानों के समझने हेतु और आसान भाषा में बनाना पड़ेगा। मंत्रालय के सहयोग से छोटे बुलेटिन सीधे किसानों तक भेजे जायें। किसानों से सीधे जुड़ने हेतु कॉमन सर्विस सेन्टर बेहतर साबित होंगे। जिन किसानों के पास स्मार्टफोन है उन तक सोशल मीडिया व व्हाट्सैप के माध्यम से जुड़ कर एडवाइजरी पहुँचा कर अच्छा कार्य हो रहा है। मंगलवार व शुक्रवार को बलेटिन डाले जा रहे हैं। किसानों को केवल उनके क्षेत्र से सम्बन्धित जानकारी मिले जो उनके काम की हो। हम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से इसी प्रकार साथ मिल कर कार्य करने का निवेदन करते हैं। राज्य, जिला, संस्थान लेवल पर सहयोग से कार्य होना चाहिए। जानकारी इस शैली में होनी चाहिए जिसे अच्छे से काम में लाया जा सके।

कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेश–कृषि प्रसार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जो मौसम

सम्बन्धित जानकारी मिलती है उनमें किसी न किसी रूप में पशु विज्ञान, मछली पालन, जल संरक्षण व औद्यानिकी इत्यादि की भी जानकारी प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से अपने पंख फैला रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा पोषण मूल्य में वृद्धि हेतु 'पोषण थाली' का प्रारंभ किया गया। सार्वजनिक सेवा केन्द्र (कॉमन सर्विस सेन्टर) के माध्यम से कषि एडवाइजरी किसानों तक पहुँचाने में और भी मदद मिलेगी, एवं छोटे से छोटे स्तर पर किसानों तक एडवाइजरी पहुँचाई जा सकेगी। इसके अन्तर्गत जानकारी पहुँचाने हेतु नोडल केन्द्र होंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कम पानी खर्चा करने तथा कम रासायनों का प्रयोग कर कृषि करने को बढ़ावा देने में प्रयासरत है। स्वास्थ्य पर हमारा प्रमुख फोकस है, मृदा व मनुष्य का स्वास्थ्य बेहतर हो इसके लिये भाकृअनुप प्रयासरत है। हमारा फोकस मात्रा को बढ़ाने की अपेक्षा गुणवत्ता सुधारने पर है।

डा. रणधीर सिंह, सहायक महानिदेशक–कृषि प्रसार ने सभी का स्वागत किया व कहा कि ब्लॉक लेवल पर कृषि मौसम सलाह तैयार करने व प्रसार करने में कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, व बहुत अच्छे से कार्य कर रहे हैं। कृषि एडवाइजरी आसान भाषा में होनी चाहिए जिसे किसान आसानी से समझ पाये। उपयोग की जा रही विभिन्न तकनीकों व यंत्रों का लेखांकन (डाक्यूमेंटशन) होना चाहिए।

कार्यक्रम का प्रारंभ डा. के.के. सिंह, अध्यक्ष एग्रोमेट, नई दिल्ली के स्वागत उद्‌बोधन से हुआ। मुख्य अतिथि डा. एम. महापात्रा, महानिदेशक, आई.एम.डी नई दिल्ली, अतिथि डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक–कृषि प्रसार भाकृअनुप नई दिल्ली, डा. रणधीर सिंह सहायक महानिदेशक–कृषि प्रसार भाकृअनुप नई दिल्ली, डा. डी.एस. पाई, अध्यक्ष, आई.एम.डी. पुणे, अन्य समस्त जोन के अटारी निदेशक, डा. राघवेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, अटारी कानपुर, डा. बालासुब्रहमण्यम, वैज्ञानिक ई, आई.एम.डी., पुणे व 'ग्रामीण कृषि मौसम सेवा प्रोजेक्ट' से जुड़े कृषि विज्ञान केन्द्रों के विषयवस्तु विशेषज्ञ (एग्रोमेट) तथा अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। डा. डी.एस. पाई, अध्यक्ष सी.आर.एस., आई.एम.डी. पुणे व डा. रणधीर सिंह, भाकृअनुप नई दिल्ली ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के अन्त में डा. बालासुब्रहमण्यम, वैज्ञानिक ई, आई.एम.डी., पुणे ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

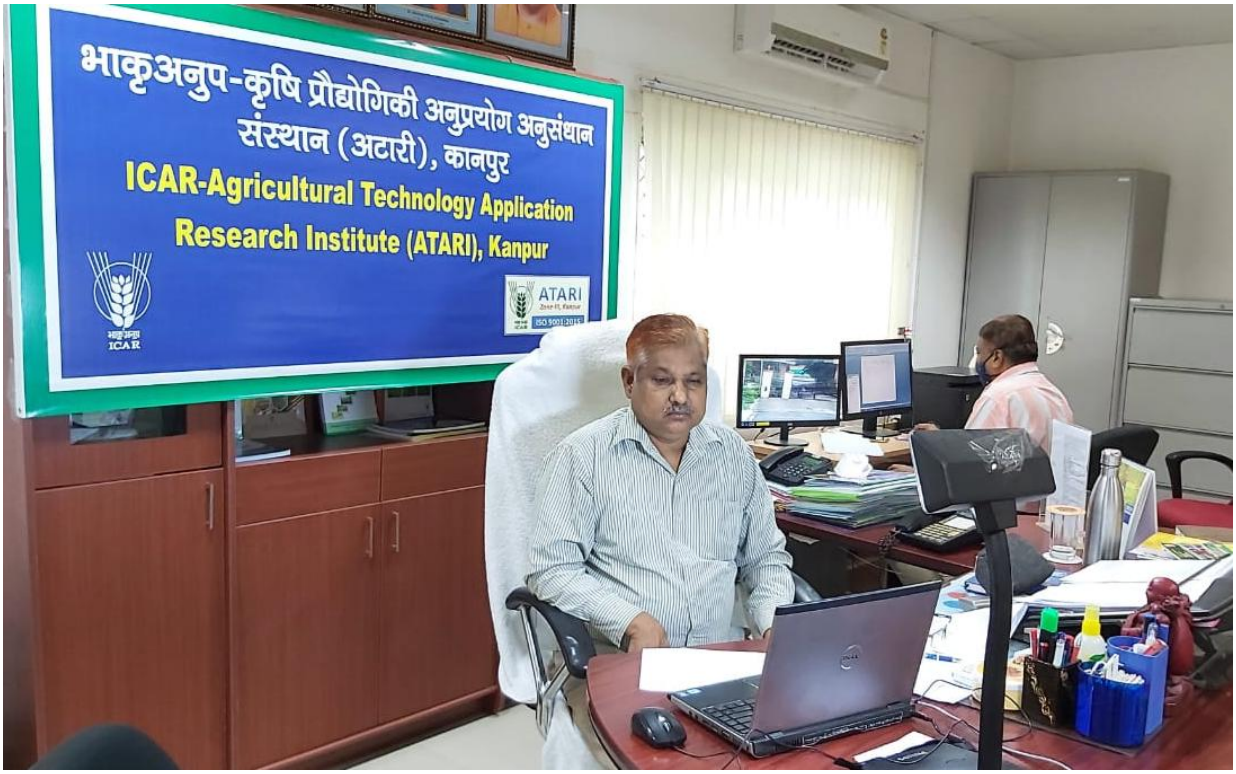
भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान
संस्थान (अटारी), कानपुर
ICAR-Agricultural Technology Application
Research Institute (ATARI), Kanpur
ATARI
ICAR

Pawan Mahajan and 77 more
10:43 AM
You
Randhir Singh
Balasubramanian R
Sivananda Pal
Raghwendra Singh
DAMU Khandwa
KVK Zunheboto Nagaland University
B.D. Singh has left the meeting
DGM Met
Ashok Kumar Singh
Sanjib Bandyopadhyay